PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, Delhi
Thursday 25th December 2014, Page: 10
Width: 11.68 cms, Height: 6.01 cms, a4, Ref: pmin.2014-12-25.43.55

चिकित्सा उपकरणों में 100% एफडीआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने चिकित्सा उपकरणों में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) को मंजूरी दी है। केंद्र के इस कदम से देश में ही चिकित्सा जांच किट और अन्य उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस आशय के एक प्रस्ताव को अनुमति दी गई। बैठक के बाद वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि फार्मा क्षेत्र में अभी ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों ही श्रेणी में 100 प्रतिशत एफडीआइ की अनुमति है। इसमें एक नई श्रेणी चिकित्सा उपकरणों की जोड़ी गई है। सरकार के इस फैसले से चिकित्सा उपकरणों के मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में एफडीआइ को बढ़ावा मिलेगा। विदेशी निवेशकों को इस क्षेत्र में निवेश करने की अनुमति ऑटोमेटिक रूट से होगी। इसका मतलब है कि अगर कोई विदेशी निवेशक किसी मौजूदा कंपनी में निवेश करना चाहता है तो उसे एफआइपीबी (विदेशी निवेश, प्रोत्साहन बोर्ड) की अनुमति नहीं लेनी होगी।